Shri Tyagarajadashaka Stuti

श्रीत्यागराजदशकस्तुतिः

Document Information

Text title : Shri Tyagarajadashaka Stuti

File name : tyAgarAjadashakastutiH.itx

Category : shiva, dashaka, stuti

Location : doc_shiva

Author : shrImUlayogIndra

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From shrInaTarAjastavamanjarI

Latest update : July 10, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 3, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीत्यागराजदशकस्तुतिः

नीलकन्धर भाललोचन बालचन्द्रशिरोमणे
कालकाल कपालमाल हिमालयाचलजापते ।
शूलदोर्धर मूलशङ्कर मूलयोगिवरस्तुत
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहि माम् ॥ १॥

हारकुण्डलमौलिकङ्कण किङ्किणीकृतपन्नग
वीरखड्ग कुबेरमित्र कलत्रपुत्रसमावृत ।
नारदादि मुनीन्द्रसन्नुत नागचर्मकृताम्बर
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहि माम् ॥ २॥

भूतनाथ पुरान्तकातुल भुक्तिमुक्तिसुखप्रद
शीतलामृतमन्दमारुत सेव्यदिव्यकलेवर ।
लोकनायक पाकशासन शोकवारण कारण
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहि माम् ॥ ३॥

शुद्धमद्धलतालकाहलशङ्खदिव्यरवप्रिय
नृत्तगीतरसज्ञ नित्यसुगन्धिगौरशरीर भो ।
चारुहार सुरासुराधिपपूजनीयपदाम्बुज
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहि माम् ॥ ४॥

घोरमोहमहान्धकारदिवाकराखिलशोकहन्
एकनायक पाकशासनपूजिताङ्घ्रिसरोरुह ।
पापतूलहुताशनाखिललोकजन्मसुपूजित
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहि माम् ॥ ५॥

सर्पराजविभूष चिन्मय हृत्सभेश सदाशिव
नन्दिभृङ्गिगणेशवन्दितसुन्दराङ्घ्रिसरोरुह ।
वेदशेखरसौधसुग्रह नादरूप दयाकर
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहि माम् ॥ ६॥

पङ्कजासनसूत वेदतुरङ्ग मेरुशरासन
भानुचन्द्ररथाङ्ग भूरथ शेषशायिशिलीमुख ।
मन्दहासखिलीकृतत्रिपुरान्तकृद् बडवानल
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहि माम् ॥ ७॥

दिव्यरत्नमहासनाशय मेरुतुल्यमहारथ
छत्रचामरबर्हिबर्हसमूह दिव्यशिरोमणे ।
नित्यशुद्ध महावृषध्वज निर्विकल्प निरञ्जन
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहि माम् ॥ ८॥

सर्वलोकविमोहनास्पदतत्पदार्थ जगत्पते
शक्तिविग्रह भक्तदूत सुवर्णवर्ण विभूतिमन् ।
पावकेन्दुदिवाकराक्ष परात्परामितकीर्तिमन्
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहिमाम् ॥ ९॥

तात मत्कृतपापवारणसिंह दक्षभयङ्कर
दारुकावनतापसाधिपसुन्दरीजनमोहक ।
व्याघ्रपादपतञ्जलिस्तुत सार्धचन्द्र सशैलज
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाहिमाम् ॥ १०॥

श्रीमूलाभिधयोगिवर्यरचितां श्रीत्यागराजस्तुतिं
नित्यं यः पठति प्रदोषसमये प्रातर्मुहुस्सादरम् ।
सोमास्कन्दकृपावलोकनवशादिष्टानिहाप्त्वाऽन्तिमे
कैलासे परमे सुधाम्नि रमते पत्या शिवायाःसुधीः ॥ ११॥

इति श्री श्रीमूलयोगीन्द्रकृता त्यागराजदशकस्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan

Shri Tyagarajadashaka Stuti

pdf was typeset on February 3, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*